# SHAKUNTALAM INSTITUTE OF TEACHERS EDUCATION

KIRHINDIH, KUMHAU STATION ROAD, SHIVSAGAR

SESSION - 2020 22

COURSE NAME – B.Ed.

SUBJECT - C 11 (C) Guidance and counselling

TOPIC NAME – Type of Guidance

DATE - 17/01/22

---

## निर्देशन या मार्गदर्शन के प्रकार :-
(Type of Guidance)

शिक्षा एवं व्यवसाय के साथ-साथ अनेक ऐसे क्षेत्र है जहाँ व्यक्ति को निर्देशन की आवश्यकता पड़ती है जैसे - सामाजिक कार्यों, आर्थिक कार्यों, स्वास्थ्य कार्यों; पारिवारिक संबंधों इत्यादि। चूँकि वैज्ञानिक प्रगति के परिणामस्वरूप औद्योगिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक आदि क्षेत्रों में क्रांतिकारी परिवर्तन हुए है इसलिए निर्देशन का वर्गीकरण भी मानव की आवश्यकताओं तथा समस्याओं के आधार पर किया गया है जिसे भिन्न-भिन्न विद्वानों ने अपने-अपने मतानुसार वर्गीकृत किया है।

जैसे —

- (1) प्रॉक्टर द्वारा किया गया वर्गीकरण (classification by Proctor)
- (2) ब्रिवर का वर्गीकरण (Brewer's classification)
- (3) पैटरसन का वर्गीकरण (Paterson's classification)
- (4) कूप और कीफोवर द्वारा वर्गीकरण (Koof and Kefauver's classification)

## (1) प्रॉक्टर द्वारा किया गया वर्गीकरण :-

विलियम मार्टिन प्रॉक्टर (एक अंग्रेज मनोवैज्ञानिक थे जिनका जन्म 1875 - 1937) USA में हुआ था

सन् 1930 ई० में विलियम एम० प्रोक्टर ने अपनी पुस्तक "शैक्षिक एवं व्यवसायिक निर्देशन" में निर्देशन के 6: प्रकार बताएं हैं —

- (1) व्यवसायिक निर्देशन
- (2) शैक्षिक निर्देशन
- (3) सामाजिक एवं नागरिक कार्यों में निर्देशन
- (4) स्वास्थ्य एवं शारीरिक समस्याओं में निर्देशन
- (5) चरित्र - निर्माण क्रियाओं में निर्देशन
- (6) अवकाश के समय का उत्तम उपयोग के लिए निर्देशन।

(2) **ब्रिवर का वर्गीकरण** :- 1932 ई० में जॉन एम० ब्रीवर ने अपनी पुस्तक 'एजुकेशन एवं गाइडेंस' में निर्देशन के 10 प्रकारों का उल्लेख किया है —

- (1) धार्मिक निर्देशन
- (2) व्यवसायिक निर्देशन
- (3) शैक्षिक निर्देशन
- (4) नागरिकता के लिए निर्देशन
- (5) वैयक्तिक उन्नति संबंधि निर्देशन
- (6) घरेलू सम्बंधों में निर्देशन
- (7) अवकाश एवं मनोरंजन के लिए निर्देशन
- (8) सांस्कृतिक कार्यों से सम्बंधित निर्देशन
- (9) सहयोग एवं विचार संबंधि निर्देशन
- (10) उचित कार्य करने के लिए निर्देशन

अतः ब्रीवर द्वारा दिया गया निर्देशन को शैक्षिक, व्यवसायिक, सामाजिक एवं व्यक्तिगत निर्देशन में समाहित किया जा सकता है।

(3) पैटरसन का वर्गीकरण → पैटरसन ने निर्देशन के 5 प्रकार बताएँ हैं —

→ (1) शैक्षिक निर्देशन
→ (2) व्यवसायिक निर्देशन
→ (3) व्यक्तिगत निर्देशन
→ (4) आर्थिक निर्देशन
→ (5) स्वास्थ्य संबंधी निर्देशन।

चूँकि पैटरसन ने अपने वर्गीकरण में अन्य निर्देशन सेवाओं के साथ व्यक्तिगत निर्देशन को भी जोड़ा है जो निर्देशन की एक अलग विशेषता बताती है।

चूँकि इन मनोवैज्ञानिकों ने अपने-अपने मतानुसार निर्देशन का वर्गीकरण किया है परन्तु सामान्यतः निर्देशन के तीन प्रकार होते हैं —

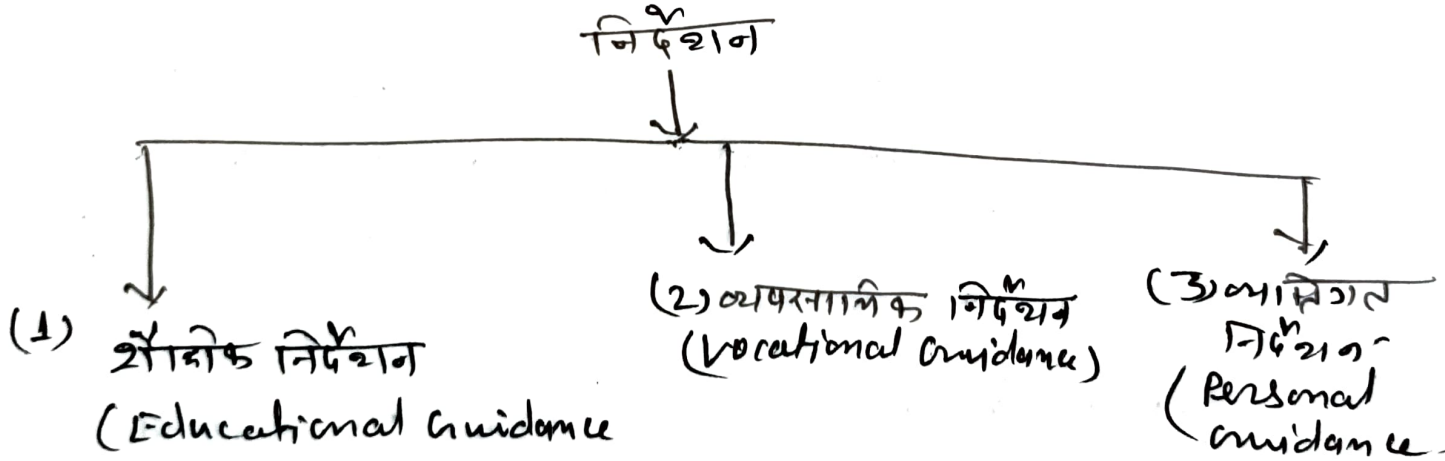


अब हमलोग इन्हीं तीन प्रकारों को विस्तृत पूर्वक अध्ययन करेंगे। ———